संगठन भावना का निर्माण करो, सफलता होगी आपके चरणों में

विश्व के सफल उद्योगपति हेनी फोर्ड अपने जीवन की सफलता का श्रेय संगठन भावना (Team spirit) को देते हैं और कहते हैं कि -"इकटठा होना ये सफलता की तरफ आगे बढ़ने की शुरुआत है, इकटठा रहना यह विकास है और इकटठे होकर काम करना ये सफलता है|"

किसी भी संस्था, संगठन या संघ की उपलब्धियाँ उसके हरेक कर्मचारी के संयुक्त एवं संगठित रूप में किये गए प्रयास का परिणाम हैं| अगर कोई ऐसा मानता है कि मेरे कारण यह संस्था चल रही है तो यह एक भ्रम हैं| किसी भी संस्था में हरेक व्यक्ति जंजीर की कड़ी के सामान है| जंजीर की अगर एक भी कड़ी कमजोर होगी तो कभी भी जंजीर टूट सकती है|

संगठन अर्थात क्या? संगठन अर्थात साथ मिलकर कुछ कार्य करते हुए लोग| जैसे: क्रिकेट टीम, कन्स्ट्रक्शन टीम, परिवार, उद्योग, इत्यादि|

टीम स्पीरीट अर्थात क्या? एक सार्वजनिक लक्ष्य सिद्धि के लिए सबकी एक जूट होकर कार्य करने की भावना को टीम स्पीरीट कहा जाता हैं|

टीम वर्क अर्थात क्या? हरेक व्यक्ति के प्रयास तथा प्राप्ति को संगठन के ध्येय की तरफ मोड़ा जाये तो उसे टीम वर्क कहा जाता हैं|

टीम बिल्डींग अर्थात क्या? संगठित रूप में इकटठे लोगों को उनके लक्ष्य तक पहुँचाने के लिए सक्षम बनाने की प्रक्रिया अर्थात संगठन निर्माण (टीमबिल्डींग) | सफलता की प्राप्ति के लिए संगठन भावना का निर्माण करना अति आवश्यक हैं| इस विषय में हमारे यहाँ भी बहुत कुछ कहा गया हैं -"सहयोग से होगा सर्वोदय", "साथी हाथ बढ़ाना, एक अकेला थक जायेगा मिलकर बोझ उठाना", "अनेकता में एकता", इत्यादि|

टीम बिल्डींग के लिए सुनहरे सिद्धांत :-

- बीच बिच में सभी से मिलते रहें| लक्ष्य को सेट करें, लक्ष्य सिद्धि के लिए सामूहिक प्रयास का एक्शन प्लान तैयार करें और आगे बढ़े|
- संगठन में सभी का सशक्तिकरण, ज्ञान वर्धन और लगातार विकास, यह संगठन की कार्यदक्षता में निरंतर वृध्धि करेगा तथा ज्यादा सिद्धि दिलाएगा|
- संगठन में हरेक व्यक्ति में, भले ही वह लीडर न हो, तो भी लीडर के गुण होना संगठन की सफलता के लिए आवश्यक हैं| जो सभी को सुनता है, सब में उमंग उत्साह भरता है, समर्पण भावना रखता है, औरों के कर्मों की कदर करता है, औरों का सन्मान रखता है और लोगों द्वारा सन्मान प्राप्त करता है, किसी भी उपलब्धि को संगठन की उपलब्धि मानता है, वही सच्चा लीडर हैं|
- संगठन का लीडर दीर्घ द्रष्टिवाला होना चाहिए, जो सकारात्मक एवं रचनात्मक नेतृत्व द्वारा संगठन को मजबूत बना सके| सभी के साथ संपर्क एवं संचार बनाए रखें, परिस्थिति को संभाल सके

और कार्यदक्ष तथा असरकारक प्रबंधन कर सके, असरकारक कोम्युनिकेशन के लिए संगठन के हरेक सदस्य की कोम्युनिकेशन स्कील का विकास करने के लिए प्रशिक्षण शिबिरों का आयोजन करे और आधुनिक कोम्युनिकेशन पद्धतियों का उपयोग करे|

- जो काम करता है उसीसे भूल होने की सम्भावना भी होती हैं इसलिए भूल हो जाये तो घबराएं नहीं, निराश न हो, परन्तु की गई भूल से कोई सिख लें| वह भूल फिरसे न हो, इसके लिए सतर्क रहें और अगर भूल हो जाये तो संगठन से क्षमायाचना कर लें, तो आपकी विश्वसनियता बनी रहेगी|
- संगठन की मजबूती एवं विकास के लिए सभी को रचनात्मक (Creative) सक्रियात्मक (Proactive) तथा अभिनव (Innovative) बनने की जरुरत होती हैं|
- हरेक के काम की कदर करें| किसी के द्वारा हो गई भूल को ध्यान पर लाना हो तो प्रथम उसकी विशेषताओं या काम की कदर करें और उसके बाद उसकी भूल प्रति ध्यान खिंचवाएं | भूल सुधारने के लिए उसे आपका साथ होने का एहसास दिलाकर उसे भूल सुधारने के लिए प्रोत्साहित करें| अगर किसी की भूल की तरफ ध्यान खिंचवाना हो तो तुरंत ही ध्यान खिंचवाये, विलंब ना करे (Delay is dangerous) | भूल बताने के समय स्पष्ट और पक्का रहें, उसके बाद शांत रहें, कोई प्रतिक्रिया न दें|
- अपने कार्य प्रति तथा संगठन प्रति प्रामाणिक और प्रतिबद्ध (Committed) रहें| निष्ठा तथा प्रतिबद्धता संगठन निर्माण के लिए बहुत ही आवश्यक है|
- संगठन के प्रत्येक सदस्य को एक-दूसरे को प्रोत्साहित करते रहना चाहिए और संगठन की एकता बनाई रखनी चाहिए|
- संगठन में ऐसी भावना उत्पन्न करें, जिससे संगठन का हरेक सदस्य ऐसा चाहे और ऐसा प्रयास करे की सम्पूर्ण टीम की विजय हो| टीम की विजय में ही मेरी विजय समायी हुई है, ऐसी सोच रखें| व्यक्तिगत विजय की लालसा संगठन भावना को तोड़ सकती हैं|
- टीम को कायम रखना हो तो पी.एच.डी. (Pull Him Down) की भावना से दूर रहें| किसी के पैर खींचने के प्रयास से संगठन कमजोर हो सकता है| किसी को भी निचा दिखानेवाले प्रयास से दूर रहें|

संगठन की भावना और एकता सुसंवादिता का संगीत हैं। संगठन भावना के विकास के लिए ऊपर बताई गई सभी विशेषताओं को जीवन में धारण करने के लिए आध्यात्मिक सिद्धांतों पर आधारित राजयोग का अभ्यास आपको बहुत मदद कर सकता है। इसकी तालीम आप ब्रह्माकुमारी विद्यालय के किसी भी सेंटर का संपर्क कर ले सकते है। आप हमेशा संगठित रहे, खुश रहे, संतुष्ट रहे और हंसते रहें|

----- 000 -----

बी.के.प्रफुल्लचंद्र; सानडिएगो; यूएसए

(M) +91 98258 92710